दिनांक 9 जनवरी, 2020 को झारखण्ड युद्ध स्मारक के विशाल ध्वजारोहण समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- सर्वप्रथम मैं देश के उन सभी शहीदों को नमन करती हूँ जिन्होंने अपने पराक्रम एवं शौर्य से देश की अखंडता एवं एकता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों तक को भी न्यौछावर कर दिया और देश के नवयुवकों एवं सम्पूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनें।
- आज मेरे लिए बहुत ही गौरव एवं हर्ष का क्षण है कि झारखण्ड युद्ध स्मारक में विशाल ध्वजारोहण समारोह में उपस्थित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
- प्रत्येक स्वाधीन राष्ट्र का अपना एक झण्डा होता है। यह एक स्वाधीन देश होने का संकेत है। भारतीय राष्ट्रीय झण्डा की परिकल्पना पिंगली वैंकैया ने की थी और इसे इसके वर्त्तमान स्वरूप में 22 जुलाई, 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था, जो 15 अगस्त, 1947 को अंग्रेजों से भारत की स्वाधीनता के कुछ ही दिन पूर्व की गई थी।
- उन्होने जो विरासत हमें दी है उसको संभालने की जवाबदेही प्रत्येक नागरिक की है। हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ अनेक विषमताएँ है, विविध संस्कृति के लोग रहते हैं, फिर भी हम एक हैं, यह हमारे संविधान, हमारे राष्ट्रीय ध्वज और हमारे देश की ताकत है।

➢ मैं इस अवसर पर कहना चाहूँगी कि राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश का सम्मान एवं गौरव का प्रतीक है। इसके सम्मान की रक्षा हेतु असंख्य देशवासियों ने अपने प्राणों की आहूति हँसते-हँसते दे दी।

झण्डा ऊँचा रहे हमारा
विजयी विश्व तिरंगा प्यारा।

➢ प्रसन्नता का विषय है कि झारखण्ड युद्ध स्मारक में 108 फीट की ऊँचाई पर 30 x 45 का तिरंगा झंडा लहरायेगा।

ये आन तिरंगा है
ये शान तिरंगा है
मेरी जान तिरंगा है।

मेरी जान तिरंगा है
अरमान तिरंगा है
अभिमान तिरंगा है
मेरी जान तिरंगा है।।

➢ आज इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि हम सभी अपनी स्वतंत्रता का जश्न मनाने के साथ अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का पालन भी अवश्य करें ताकि हमारा देश सच्चे अर्थों में उन अमर बलिदानियों के सपनों के अनुरूप बन सकें।

- सेना अपने दायित्वों का पालन बखूबी कर रही है, हम सभी को उनके शौर्य एवं पराक्रम पर नाज़ है। देश के नागरिकों को भी मजबूती से देश के साथ खड़े रहने की आवश्यकता है, यही राष्ट्रभक्ति है। इसके लिए सभी को सीमा पर दुश्मन से लड़ने की आवश्यता नहीं है। आप जहाँ पर है, अपने कार्य को पूरी निष्ठा एवं इमानदारी के साथ करें।
- झारखण्ड वार मेमोरियल झारखण्ड के उन सभी वीर सपूतों को समर्पित है जिन्होंने देश की रक्षा में अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उनके सम्मान में आज जो विशाल ध्वज स्थापित किया गया है इसके लिए मै फ्लैग फाउण्डेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री नवीन जिंदल एवं मेजर जनरल संजय पुरी VSM, GOC Cockerel Division को एक बार पुनः तहे दिल से शुभकामनायें देती हूँ। आपका यह प्रयास देशवासियों विशेषतः झारखण्ड के युवाओं के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगा।
- हमारे राज्य के युवाओं एवं किशोरों में सैन्य सेवा एवं पुलिस सेवा में जाने हेतु बहुत उत्साह देखा जाता है। वे इस सेवा में जाने हेतु अथक मेहनत करते हैं, लेकिन कभी-कभी उन्हें उचित मार्गदर्शन के अभाव में सफलता प्राप्त नहीं हो पाती है। वे सफलता अर्जित करने से वंचित रह जाते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में झारखण्ड वार मेमोरियल उनके लिए सैन्य सेवा में जाने हेतु प्रेरणादायक सिद्ध होगी।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!